कृषि विज्ञान केन्द्र

गांधी विद्या मंदिर, सरदारशहर, चूरू (राज.)

ई–न्यूज लेटर

अप्रैल 2026, अंक: 24

पोस्ट बजट संबोधन का सजीव प्रसारण कार्यक्रम आयोजित

दिनांक 5 मार्च 2026 को कृषि विज्ञान केंद्र, सरदारशहर के सभागार में भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट के उपरांत आयोजित पोस्ट बजट संबोधन का सजीव प्रसारण किसानों को दिखाया गया। इस कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा राष्ट्र को संबोधित करते हुए कृषि क्षेत्र से जुड़ी महत्वपूर्ण योजनाओं, नीतियों एवं सुधारों की जानकारी साझा की गई। साथ ही कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा किसानों के हित में बजट में किए गए प्रावधानों पर विस्तृत प्रकाश डाला गया।कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक किसानों, कृषक महिलाओं एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रसारण के दौरान किसानों को कृषि क्षेत्र में आय बढ़ाने, नवीन तकनीकों को अपनाने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने एवं कृषि अवसंरचना के विकास हेतु सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों द्वारा भी कार्यक्रम के अंत में किसानों के साथ चर्चा कर बजट के विभिन्न बिंदुओं को सरल भाषा में समझाया गया तथा उनके प्रश्नों का समाधान किया गया।

भेड़–बकरी पालन से उद्यमिता विकास विषय पर संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 5 से 9 मार्च 2026 के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा "भेड़–बकरी पालन से उद्यमिता विकास" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सरदारशहर, भानीपुरा एवं सुजानगढ़ ब्लॉकों के 24 कृषकों ने भाग लिया |कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भेड़–बकरी पालन को एक लाभकारी एवं टिकाऊ उद्यम के रूप में विकसित करना तथा पशुपालकों की आय में वृद्धि करना था।प्रशिक्षण के दौरान पशुपालन विषय विशेषज्ञ श्री श्याम बिहारी द्वारा भेड़–बकरी पालन के

विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। इसमें आवास प्रबंधन के अंतर्गत पशुओं के लिए स्वच्छ, हवादार एवं सुरक्षित आवास की व्यवस्था, भोजन एवं पोषण प्रबंधन के तहत संतुलित आहार, हरे एवं सूखे चारे तथा खनिज मिश्रण के उचित उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही स्वास्थ्य एवं रोग प्रबंधन के अंतर्गत सामान्य बीमारियों की पहचान, समय पर टीकाकरण एवं उपचार की जानकारी दी गई, जिससे पशुओं की उत्पादकता एवं स्वास्थ्य बेहतर बना रहे। कार्यक्रम में उद्यमिता विकास के पहलुओं को भी समाहित करते हुए प्रतिभागियों को भेड़–बकरी पालन को व्यवसाय के रूप में स्थापित करने के लिए लागत–लाभ विश्लेषण, विपणन के तरीके तथा स्वरोजगार के अवसरों के बारे में अवगत कराया गया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला किसानों का सम्मान व सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित

दिनांक 8 मार्च 2026 को कृषि विज्ञान केंद्र, सरदारशहर द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आसपास के विभिन्न गांवों से 51 प्रगतिशील महिला किसान एवं ग्रामीण महिलाएं उत्साहपूर्वक शामिल हुईं।कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों में सशक्त बनाना, उनकी भूमिका को पहचान दिलाना तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों द्वारा महिला किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, पोषण वाटिका, मूल्य संवर्धन एवं स्वरोजगार से जुड़ी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।कार्यक्रम के दौरान प्रगतिशील महिला किसानों ने अपने अनुभव साझा किए, जिससे अन्य महिलाओं को भी प्रेरणा मिली। साथ ही महिलाओं को समूह आधारित गतिविधियों, उद्यमिता विकास एवं सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र व राजीविका के संयुक्त प्रयास से स्वयं सहायता समूहों हेतु बैठक आयोजित

कृषि विज्ञान केंद्र, सरदारशहर द्वारा स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) के सहयोग से दिनांक 10 मार्च 2026 को एक समूह बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राजीविका से जुड़ी 44 प्रसार कार्यकर्ताओं एवं महिला सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। साथ ही राजीविका के विभिन्न पदाधिकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।बैठक का मुख्य उद्देश्य कृषि एवं उससे संबंधित विभिन्न उद्यमों को बढ़ावा देकर महिलाओं में उद्यमिता विकास को प्रोत्साहित करना रहा। इस दौरान प्रतिभागियों को कृषि आधारित उद्योगों जैसे दुग्ध उत्पादन, बकरी पालन, पोषण वाटिका, खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कृषि विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों द्वारा समूह आधारित व्यवसाय, विपणन के अवसर, सरकारी योजनाओं से जुड़ाव एवं आय बढ़ाने के विभिन्न उपायों पर चर्चा की गई। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने, स्वरोजगार अपनाने एवं समूह के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा कृषि आधारित उद्यमों को अपनाने में रुचि दिखाई।

कृषि विज्ञान केंद्र में महिलाओं हेतु श्रम न्यूनीकरण कृषि यंत्रों के उपयोग पर प्रशिक्षण आयोजित

दिनांक 13 मार्च 2026 को कृषि विज्ञान केंद्र, सरदारशहर में महिलाओं हेतु कृषि यंत्रीकरण एवं श्रम न्यूनीकरण विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें डॉ रमन जोधा ने बताया कि श्रम न्यूनीकरण यंत्रों के प्रयोग से महिलाओं के शारीरिक श्रम में एवं थकान में कमी आती है, समय की बचत होती है तथा उत्पादन

में वृद्धि संभव होती है। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को कृषि कार्यों में श्रम को कम करने एवं कार्यकुशलता बढ़ाने वाले उन्नत कृषि यंत्रों के उपयोग एवं उनकी उपयोगिता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई तथा विभिन्न कृषि यंत्रों जैसे निराई-गुड़ाई उपकरण, बुवाई यंत्र, एवं अन्य श्रम बचाने वाले उपकरणों के बारे में सरल एवं व्यावहारिक तरीके से समझाया गया। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र के अन्य विशेषज्ञों द्वारा भी प्रशिक्षण में सहयोग प्रदान करते हुए महिला किसानों को इन यंत्रों के सही उपयोग, रखरखाव एवं सुरक्षा उपायों हेतु प्रशिक्षित किया गया । प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागी महिलाओं ने यंत्रों के उपयोग को प्रत्यक्ष रूप से समझा तथा अपने अनुभव साझा किए।

पीएम किसान सम्मान निधि की 22वीं किस्त का लाइव प्रसारण, 316 किसान लाभान्वित

कृषि विज्ञान केंद्र, सरदारशहर द्वारा दिनांक 13 मार्च 2026 को केंद्र के सभागार में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 22वीं किस्त के हस्तांतरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किसानों को दिखाया गया। इस अवसर पर देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किसानों को संबोधित करते हुए योजना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी एवं कृषि क्षेत्र के विकास पर विचार साझा किए गए।कार्यक्रम में उपस्थित किसानों के साथ-साथ दूरस्थ गांवों में रह रहे कृषकों को भी तकनीकी माध्यम से जोड़ा गया। इस आयोजन में कुल 316 कृषक एवं कृषक महिलाएं लाभान्वित हुई। कार्यक्रम के दौरान किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मिलने वाली सहायता, पात्रता एवं लाभों के बारे में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा उनकी शंकाओं का समाधान किया गया।

पशुपालकों हेतु भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केंद्र, सरदारशहर द्वारा अनुसूचित जाति उप -योजना अंतर्गत दिनांक 16 से 19 मार्च 2026 तक क्षेत्र के किसानों एवं पशुपालकों के लिए चार दिवसीय भ्रमण (Exposure tour) कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य कृषकों को उन्नत कृषि एवं पशुपालन तकनीकों से अवगत कराना था।भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों को कृषि विज्ञान केंद्र टोंक ले जाया गया, जहां उन्हें फसलों, सब्जियों एवं फलों की उन्नत उत्पादन तकनीकों की जानकारी दी गई।इसके पश्चात दल ने केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान केंद्र, अविकानगर - टोंक का भ्रमण किया, जहां किसानों ने खरगोश पालन, बकरी पालन,

दुम्बा भेड़, अविशान भेड़ पालन (जो एक साथ 2-4 मेमनो को जन्म देती है), हर्बल गार्डन तथा ऊन से उत्पाद बनाने वाली इकाइयों का अवलोकन किया।कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों ने महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर का भी भ्रमण किया, जहां उन्हें मुर्गी पालन, टर्की पालन, मत्स्य पालन, डेयरी, बटेर पालन एवं उद्यानिकी की विभिन्न इकाइयों की जानकारी दी गई।इसी क्रम में विद्या भवन कृषि विज्ञान केंद्र उदयपुर में सब्जी उत्पादन, नर्सरी एवं डेयरी इकाइयों का अवलोकन कराया गया।भ्रमण के दौरान किसानों को राष्ट्रीय बीज मसाला अनुसंधान केंद्र तबीजी , अजमेर में मसाला फसलों की उन्नत किस्मों एवं उत्पादन तकनीकों से परिचित कराया गया। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्र अजमेर की विभिन्न इकाइयों का भी निरीक्षण किया गया।कार्यक्रम में शामिल किसानों एवं पशुपालकों ने इस भ्रमण को अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

CS-60 सरसों किस्म: प्रक्षेत्र दिवस (Field Day) आयोजन

कृषि विज्ञान केंद्र, सरदारशहर द्वारा दिनांक 21 मार्च 2026 एवं 23 मार्च 2026 को क्रमशः गांव नैनासर तथा गांव बरलाजसर में प्रक्षेत्र दिवस (फील्ड डे) का आयोजन किया गया। प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन गांव नैनासर के प्रगतिशील किसान श्री रणजीत सिंह के खेत पर किया गया जिसमें किसानों ने आपसी वार्तालाप करते हुए बताया कि सरसों की उन्नत किस्म CS-60 अधिक उत्पादन क्षमता (High Yield Potential) वाली है तथा इसकी तेल की मात्रा अधिक होने के कारण बाजार में इसकी अच्छी मांग रहती है। इसके साथ ही CS-60 की फली (पॉड) लंबी होती है एवं प्रति फली दानों की संख्या अधिक होने से उत्पादन में वृद्धि होती है।इस किस्म की विशेषता यह भी है कि यह खारे पानी एवं प्रतिकूल परिस्थितियों में भी बेहतर उत्पादन देने में सक्षम है एवं कम सिंचाई की आवश्यकता होती है, जिससे जल की बचत के साथ-साथ लागत में भी कमी आती है।गांव बरलाजसर में महिला किसान रुक्मिणी देवी के खेत पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया जहां पर रुक्मिणी देवी ने कृषि विज्ञान केंद्र के निर्देशन में अपनाई गई फसल की सम्पूर्ण कृषि क्रियाओं (बुवाई से लेकर कटाई (हार्वेस्टिंग) तक की) जैसे उन्नत बीज चयन, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, कीट एवं रोग नियंत्रण, तथा सिंचाई प्रबंधन-की जानकारी व्यावहारिक रूप से सभी किसान महिलाओं को दी । इन कार्यक्रम में 80 कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भाग लेकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया तथा इस वैरायटी के बीज के भंडारण हेतु भी प्रतिबद्धता दिखाई |

बायो-फोर्टिफाइड गेहूं DBW-187 प्रक्षेत्र दिवस (Field Day) आयोजन: पोषण एवं उत्पादन बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल"

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा अनुसूचित जाति उप -योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 में ग्राम बरलाजसर में 10 हैक्टेयर में पोषण सुधार हेतु गेहूं फसल वैरायटी DBW-187 के प्रदर्शन लगाए गए थे | इसी संदर्भ में दिनांक 23 मार्च 2026 को महिला कृषकों को उन्नत एवं पोषणयुक्त गेहूं किस्मों की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से प्रक्षेत्र दिवस (फील्ड डे) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. रमन जोधा (विषय विशेषज्ञ, गृह विज्ञान) ने बताया कि यह किस्म उच्च पोषण (विशेष रूप से जिंक एवं आयरन तत्वों से भरपूर) होने के साथ-साथ अच्छी उत्पादन क्षमता वाली है, जिससे न केवल किसानों की आय बढ़ती है बल्कि परिवार के पोषण स्तर में भी सुधार होता है। महिला कृषकों को इस बायो-फोर्टिफाइड किस्म के उत्पादन, पोषण महत्व एवं आर्थिक लाभ के बारे में विस्तार से समझाया तथा उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया।श्री हरीश कुमार रछोया (विषय विशेषज्ञ, सस्य विज्ञान) ने जैव संवर्धित किस्म की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि गेहूं किस्म DBW-187 में उत्तम दाना गुणवत्ता, रोगों के प्रति सहनशीलता एवं अनुकूल परिस्थितियों में बेहतर उत्पादन देने की क्षमता पाई जाती है। साथ ही किसानों को बुवाई से लेकर कटाई (हार्वेस्टिंग) तक की सम्पूर्ण कृषि क्रियाओं-जैसे उन्नत बीज चयन, उचित समय पर बुवाई, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, सिंचाई प्रबंधन, तथा कीट एवं रोग नियंत्रण-की विस्तृत जानकारी व्यावहारिक रूप से प्रदान की गई एवं महिलाओं को बीज भंडारण हेतु प्रोत्साहित किया गया | उपस्थित महिलाओं ने इस किस्म की उच्च उत्पादन क्षमता (High Yield Potential) एवं बेहतर परिणामों को देखकर संतोष व्यक्त किया।

कृषक भ्रमण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केंद्र सरदारशहर पर संचालित जलवायु समुत्थनशील कृषि में नवाचार (निकरा) परियोजना के अंतर्गत 18 कृषकों के समूह का शैक्षणिक भ्रमण , दिनांक 23 से 24 मार्च 2026 को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आयोजित किसान मेले में करवाया गया। देख कर सीखने (Learning by seeing) के सिद्धांत के तहत किसानों को बदलते जलवायु एवं कृषि परिदृश्य में उन्नत कृषि पशुपालन एवं बागवानी तकनीक को अपनाने हेतु प्रोत्साहित एवं अवगत करवाया गया। किसान मेले के माध्यम से किसानों ने आधुनिक कृषि प्रदर्शनी, उन्नत किस्म के बीज, जैविक एवं समन्वित पोषण एवं कीट बीमारी प्रबंधन तकनीक तथा नवीन कृषि यंत्रों के बारे में जानकारी प्राप्त की। किसानों ने ड्रिप एवं स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली, फसल विविधीकरण एवं उन्नत कृषि तकनीकियों को समझा जो कम लागत में अधिक उत्पादन देने में सहायक है। इसके अतिरिक्त विशेषज्ञों के साथ संवाद के माध्यम से किसानों को जलवायु परिवर्तन के प्रभाव एवं उनसे निपटने के उपाय का ज्ञान प्राप्त हुआ। उन्हें सूखा सहनशील फसलों, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, जल संरक्षण तकनीक एवं मौसम आधारित कृषि कार्यों की योजना बनाने के बारे में बताया गया जो की इस परियोजना के प्रमुख उद्देश्य हैं। HAU बीज उत्पादन फॉर्म के भ्रमण से किसानों को उन्नत एवं प्रमाणित बीज उत्पादन की तकनीक, बीज शुद्धता बनाए रखने तथा उच्च गुणवत्ता वाले बीज के महत्व की जानकारी मिली | कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में किसानों को ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि यंत्रों के सही उपयोग, रखरखाव एवं मरम्मत के बारे में जानकारी दी गई, इसके साथ ही उत्तरी क्षेत्र कृषि यंत्र प्रशिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, हिसार में किसानों को विभिन्न आधुनिक कृषि मशीनों जैसे सीड ड्रिल, रोटावेटर, ड्रोन के संचालन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई, इससे किसानों में कृषि यंत्रीकरण के प्रति जागरूकता बढी और श्रम एवं समय की बचत के महत्व को समझा।

“DWRB-137 जौ किस्म: उच्च उत्पादन क्षमता एवं उन्नत तकनीकों से किसानों को नई दिशा”

कृषि विज्ञान केंद्र, सरदारशहर द्वारा दिनांक 24 मार्च 2026 को ग्राम पातलीसर में जौ की उन्नत किस्म DWRB-137 का फील्ड डे प्रगतिशील किसान राम प्रताप मेघवाल के खेत पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को उन्नत जौ किस्मों एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों की जानकारी प्रदान करना था। प्रगतिशील किसान राम प्रताप मेघवाल ने भी उपस्थित किसानों को इस किस्म की विशेषताओं एवं उत्पादन तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा बताया कि वैज्ञानिक तरीकों को अपनाने से उन्हें बेहतर उत्पादन प्राप्त हुआ, जिससे वे अत्यंत संतुष्ट हैं। इस अवसर पर जौ उन्नत किस्म DWRB-137 के प्रदर्शन के माध्यम से 48 किसानों को इसके विभिन्न गुणों एवं उत्पादन तकनीकों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।उपस्थित किसानों ने इस किस्म की उच्च उत्पादन क्षमता

(High Yield Potential) एवं बेहतर परिणामों को देखकर संतोष व्यक्त किया। श्री हरीश कुमार रछोइया (विषय विशेषज्ञ, सस्य विज्ञान) ने किसानों को उन्नत तकनीकों के महत्व को समझाते हुए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया एवं वैज्ञानिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। यह प्रक्षेत्र दिवस किसानों के खेत पर ग्रामीण स्तर पर आयोजित किया गया, जिससे प्रतिभागियों को वास्तविक परिस्थितियों में फसल प्रदर्शन देखने एवं सीखने का अवसर मिला।

मेथी की उन्नत किस्म AFG-5 का फील्ड दिवस आयोजित

कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा दिनांक 29 मार्च 2026 ग्राम बलराजसर में मेथी की उन्नत किस्म AFG-5 के फील्ड दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें 37 कृषक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को वैज्ञानिक खेती की जानकारी देकर मेथी उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना था। कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के उद्यान एवं बागवानी विशेषज्ञ डॉ. अजय कुमावत ने मेथी की उन्नत किस्म AFG-5 के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यह किस्म उच्च उत्पादक, कम अवधि में तैयार होने वाली तथा शुष्क एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से उपयुक्त है, साथ ही इसमें हरी पत्तियों की अच्छी वृद्धि होती है, जिससे यह सब्जी एवं बीज दोनों उद्देश्यों के लिए लाभकारी है। उन्होंने बताया कि AFG-5 किस्म में प्रमुख रोगों एवं कीटों के प्रति सहनशीलता पाई जाती है तथा इसकी उपज क्षमता पारंपरिक किस्मों की तुलना में अधिक होती है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि संभव है। डॉ. कुमावत ने महिलाओं को मेथी की वैज्ञानिक खेती के विभिन्न पहलुओं जैसे उचित बीज दर, समय पर बुवाई, संतुलित उर्वरक प्रबंधन, सिंचाई प्रबंधन एवं खरपतवार नियंत्रण के बारे में भी व्यावहारिक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी महिलाओं ने फील्ड में खड़ी फसल का अवलोकन किया और विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

देसी (DAESI) डिप्लोमा के 11 बैच का शुभारंभ

कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) सरदारशहर में इनपुट डीलरों (खाद, बीज एवं कीटनाशक विक्रेता) को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने के उद्देश्य से डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (DAESI) कोर्स के 11वें बैच का शुभारंभ दिनांक 30 मार्च 2026 को किया गया। यह कोर्स इनपुट डीलरों को कृषि संबंधी आधुनिक जानकारी प्रदान करने पर केंद्रित है। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वी.के. सैनी ने बताया कि DAESI एक वर्षीय व्यावसायिक डिप्लोमा कोर्स है, जिसकी अवधि 48 सप्ताह होती है यह कोर्स इनपुट डीलरों को पैरा-एक्सटेंशन वर्कर्स के रूप में विकसित करने की एक महत्वपूर्ण पहल है। इसका मुख्य उद्देश्य डीलरों को फसल उत्पादन, कीट एवं रोग प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य, उर्वरक प्रबंधन और पोषण संबंधी वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराना है। इससे खाद-बीज विक्रेता किसानों के लिए प्रशिक्षित सलाहकार बन सकेंगे। इसमें प्रतिभागियों को कक्षा शिक्षण के साथ-साथ क्षेत्र भ्रमण भी

करवाए जाएंगे, ताकि वे कृषि की आधुनिक तकनीकों को व्यावहारिक रूप से समझ सकें।मुख्य अतिथि डॉ. राजकुमार कुलहरी, परियोजना निदेशक, आत्मा चुरु ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज के समय में इनपुट डीलरों की भूमिका केवल उत्पाद बेचने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वे किसानों के मार्गदर्शक के रूप में कार्य कर रहे हैं। ऐसे में DAESI जैसे कोर्स उन्हें वैज्ञानिक और प्रमाणिक जानकारी प्रदान कर किसानों को सही दिशा में मार्गदर्शन देने में सक्षम बनाते हैं। कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) देवेंद्र मोहन, समकुलाधिपति आई. ए. एस. ई. मानित विश्वविद्यालय सरदारशहर ने कहा कि कृषि क्षेत्र में तेजी से बदलती तकनीकों और चुनौतियों के बीच प्रशिक्षित इनपुट डीलर किसानों तक सही जानकारी पहुंचाने की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को इस कोर्स का पूरा लाभ उठाने और इसे अपने व्यवसाय के साथ-साथ किसानों की सेवा का माध्यम बनाने की सलाह दी।मुख्य वक्ताओं ने बताया कि इस कोर्स से किसानों को मौके पर ही कृषि संबंधी समस्याओं का समाधान मिलेगा और उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

संकलनकर्ता	संपादक	प्रकाशक
श्री हरीशकुमार रछौया ;फसल उत्पादन विशेषज्ञद्ध श्री श्याम बिहारी ;पशुपालन विशेषज्ञ द्ध डॉ॰ अजय कुमावत ;बागवानी विशेषज्ञ द्ध डॉ॰ प्रवीन धांगड़ ए विषय विशेषज्ञ ;कृषि अभियांत्रिकीद्ध श्री कानाराम सोढ (फार्म मैनेजर)	डॉ. रमन जोधा (विषय वस्तु विशेषज्ञ गृह विज्ञान) Designed श्री सुनील कुमार वी.वी.,स्टैनो Typed श्री ओ.पी.शर्मा, टाइपिस्ट	डॉ. वी. के. सैनी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, सरदारशहर,चूरू–I